पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 9वीं

(सैद्धांतिक)

(1) निम्नलिखित का अर्थ स्पष्ट करें :–

संगीत, नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, बंदिश,जाति ।

(2) संगीत में लय और ताल का महत्व।

(3) पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि तथा ताल पद्धति का पूर्ण ज्ञान।

(4) संगीत सम्राट तानसेन का जीवन परिचय।

(5) राग बिलावल का सम्पूर्ण राग परिचय तथा द्रुत ख्याल की स्वरलिपि ।

(6) दादरा ताल का ठेका दुगुन लयकारी एवं सम्पूर्ण ताल परिचय सहित ।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 9वीं

(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1	राग बिलावल में एक द्रुत ख्याल का गायन दो तानों सहित।	07
2	किसी ताल में निबद्ध एक भक्तिगीत/प्रातः कालीन प्रार्थना का गायन।	05
3	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का गायन।	05
4	दादरा ताल को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु–प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 9वीं

(सैद्धांतिक)

(1) निम्नलिखित का अर्थ स्पष्ट करें :–

आलाप, तान, वादी स्वर, संवादी स्वर, अनुवादी,

स्वर, विवादी स्वर, वर्जित स्वर, अध्ध्दर्शक स्वर।

(2) गायक के गुण तथा दोष लिखें।

(3) पंडित विष्णू दिगम्बर पलुस्कर का भारतीय संगीत में योगदान।

(4) ख्याल एवं लय की परिभाषा तथा इनके प्रकार।

(5) राग यमन का सम्पूर्ण राग परिचय तथा द्रुत ख्याल की स्वरलिपि।

(6) कहरवा ताल का ठेका दुगुन लयकारी एवं सम्पूर्ण ताल परिचय सहित।

पाठ्यक्रम (संगीत गायन) कक्षा 9वीं

(क्रियात्मक)

क्रम संख्या	विषय सामग्री	अंक विभाजन
1	राग यमन में एक द्रुत ख्याल का गायन दो तानों सहित।	07
2	राष्ट्रीय गीत तथा राष्ट्रीय गान का गायन।	05
3	एक पारम्परिक हिमाचली लोकगीत का गायन।	05
4	कहरवा ताल को ठाह तथा दुगुन लयकारी सहित हाथ पर प्रदर्शित करना।	05
5	पाठ्यक्रम पर आधारित लघु–प्रश्नावली के माध्यम द्वारा बौद्धिक परीक्षण।	03